शिक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) 234; उनमें से 153 स्नातक और अधिक योग्यता वाले हैं ।

(ख) 102.

आशुलिपिकों तथा राजपत्रित अधिकारियों की संख्या

1473. श्री विश्राम प्रसाद :
श्री काशीराम गुप्त :
श्री नरदेव स्नातक :
श्री मोहन स्वरूप :
श्री छ० म० केदरिया :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिसम्बर, 1948 में केन्द्रीय सचिवालय में राजपत्रित अधिकारियों तथा आशुलिपिकों की अलग अलग क्या संख्या थी; और

(ख) मार्च, 1966 में उनकी अलग अलग संख्या क्या थी ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) और (ख). जानकारी इकट्ठी की जा रही है और जितनी जल्दी हो सकेगा, सभा-पटल पर रख दी जावेगी ।

उर्वरकों पर व्यय

1474. श्री विश्राम प्रसाद : क्या पैट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले पांच वर्षों में कूड़ा खाद को छोड़ कर उर्वरक तैयार करने पर कितनी राशि खर्च की गई; और

(ख) चौथी पंचवर्षीय योजना में इसके लिये कितनी राशि नियत करने का विचार है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री अलगेशन) : (क) पिछले पांच वर्षों में लगभग 148.45 करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च हुआ ।

(ख) उर्वरकों और कीटनाशकों के लिये 493 करोड़ रुपये ।

रूप से तेल का आयात

1475. श्री विश्राम प्रसाद : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक रूस से कितना तेल आयात किया गया है और क्या राज्यों के लिये कोई कोटा निर्धारित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक राज्य के लिये कितना कोटा निर्धारित किया गया है; और

(ग) क्या तेल का वितरण कार्य भी गैर-सरकारी फर्मों को सौंपा गया है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री अलगेशन): (क) 1960 से लेकर सितम्बर, 1966 तक तेल पदार्थों का कुल आयात 40,01,578 मीटरी टन हुआ । विभिन्न राज्यों के लिए इन आयातों का कोई कोटा निर्धारित नहीं किया गया है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) मैसर्ज हिन्दुस्तान आर्गनाइजरस प्राइवेट लि० जिसका भारतीय तेल निगम लि० के साथ कुछ मिट्टी के तेल खरीदने और वितरण के लिये एक करार है, और भारतीय तेल निगम के एजेन्ट रूसी तेल उत्पादों को बेचते हैं ।

शिक्षा मंत्रालय का पुनर्गठन

1476. श्री विश्राम प्रसाद :
श्री काशीराम गुप्त :
श्री नरदेव स्नातक :

श्री मोहन स्वरूप :
श्री छ० म० कैदरिया :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनके मंत्रालय का हाल ही में पुनर्गठन किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इसके परिणामस्वरूप कितने राजपत्रित पद बढ़ाये गये हैं; और

(ग) इन बढ़ाये गये राजपत्रित पदों पर प्रति वर्ष कितना अतिरिक्त व्यय होगा ?

शिक्षा मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग). मंत्रालय के कार्य के हाल ही में हुए पुनर्गठन के फलस्वरूप कोई राजपत्रित पद नहीं बढ़ाया गया । सच तो, यह है कि दो उच्च पद कम कर दिये गये जिसके फलस्वरूप लगभग 70,000 रुपये की वार्षिक बचत होगी ।

**Regional Engineering College, Calicut**

**1477. Shri P. Kunhan:**
**Shri A. K. Gopalan:**
**Shri Umanath:**
**Shri Imbichibava:**

Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) the total number of students in the Regional Engineering College, Calicut;

(b) the total amount spent on educational tours for the last two years;

(c) whether it is a fact that facilities for drinking water are lacking in the College and the final year students are denied opportunity for selective subjects for want of staff; and

(d) whether Government have received any representation from students and if so, the action taken thereon?

**The Deputy Minister in the Ministry of Education (Shri Bhakt Darshan):** (a) 852.

(b) Rs. 26,647.73.

(c) No, Sir. Adequate drinking water facilities are at present available in the college and hostel buildings. Additional staff has been appointed to enable final year students to offer elective subjects.

(d) Yes, Sir. The representation submitted by the students has been considered by the Board of Governors of the College. The Board has taken suitable remedial measures to meet their legitimate demands.

**Kerala Polytechnic Institute**

**1478. Shri P. Kunhan:**
**Shri A. K. Gopalan:**
**Shri Imbichibava:**
**Shri Umanath:**

Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) the total number of students who have taken Diploma in costume design and dressmaking from the the Kerala Polytechnic Institute till the last academic year;

(b) the employment opportunities offered to them by Government and the total number of Diploma-holders who have been given employment; and

(c) the steps Government propose to take for utilising the services of these Diploma-holders?

**The Deputy Minister in the Ministry of Education (Shri Bhakt Darshan):** (a) 94.

(b) The course in costume design and dressmaking is designed to prepare young women to develop skills in this vocation and to prepare them for gainful employment in life. The employment opportunities in this field do exist and are increasing with the development of dressmaking industry, though not necessarily in the public sector.